

125

gyantisa



ॐ नमः सर्वस्वय ॥ नानादेवि उवाच ॥ नानादेव नलाक
श्वनसकः डडाखं ॥ मन्त्रकृत्या तादि नयायनः नानाउवाच
कलदाजः हिडमहिडः सानियाय निमिनिनः डलयालस
कंडडाः कडाज विआयमाल युगनर्ययमाल चकंडडा ॥
लाकश्वनउवाच ॥ सुनह नाना ॥ ह नानादेवि डडा यिथिथी
स नानाउवाच तादयिजः धुंवे लसथथसानि ॥ डवलसर्गसग
ह नडस वनासिस कोनस यासंथरुलः हाव शाकदयडा ॥

धु ॥ डसदहाडा जयाः डयानायकद्वयाकदियिजः श्वनाता
महिडा ॥ धुयासा ॥ नि ॥ दानविद्या ॥ डमविविद्या ॥ उत्रक
डाया काययाकासं डुरुलसनयानिरः डसमनारुयिव ॥ धुय
मानि ॥ हामयाय दवयजायाया पापयाचक ॥ रुवनहतयाज
यनिविद्या ॥ ननि ॥ वदानविद्या ॥ वाकन विदुतायायः रुजन
याचका ॥ लसवसकिलदायडा नाधयिज गनांथरुलः काहि
हाडयाः नायकद्वयाकदियिजः धननासकयिज ॥ धुयासा ॥

अलङ्काराय सिद्धलवातासति र्थया लखन्त्याः अलङ्काराः पु
त्राकिञ्चाकि. इदं विहिता ता अ इय. कञ् इदं राहतिवियः ति
लपाठः अतयाठः अथ द्याः दानवियः किल दा अथास. काहि
ता अथास. यं वेगव न हाय. यत्रिविय. काहिता अथास. वा ह्या डा
अ. वत्रिसतयः प्राद्वन हा अ नयाव क ॥ धुन न सानि ॥ इह समि
इह्यं क. इयि अ. इमि दायि व. नाना अ. नुद्ध स अयः डा ना ना
महि डः सामि म. ल. नामि कय. मि न यय अ ॥ धुया सानि ॥

अिद्धन द्यायाय माल. नत गृह दानविय. हा मयायः इह पा
लवलिवियः इमि दा अथास. वा ह्या डा अ. वत्रिसतयः वनि
१. डा हा म नृषा थ डा डा. दानविय. प्राद्वन हा अ नयाव क
धुन न सानि ॥ इह सति त्वायः मत्वा सन. स्वाहि अय
धुया सानि ॥ कलस पुजायाय. न अ गृह दानविय ॥ प्राद्व
न हा अ नयाव क ॥ धुन न सानि ॥ इह सविद सा व वया. सामि
म. ल. न सा धन सानि. लि अ त्वाय मा मि अः इह स नृ द्यायाय ॥

धुयासानि ॥ सुविद्याडाडा, हामयाय, पंके ल कृ पाथयायः ति
 लाह, मलर, विधी लश्र्य कलि, वाक, लयल, हामसिनि
 वसि, सासि, विहि, फययथइ नव, ॐ यूका, पुनका, मसमि
 दय ॥ ॥ वत्रिसन्व, कता रागौ द्याप, जिग्रि, रनाइयायू
 गुनि, ललिक, दस्तन, धुन ह न वत्रिस नयः विइ हाडाडाया
 वाडायास, वाहाडाडा, दक्षि नायुवियः वास्तन लोहनयार
 क ॥ **धुन नसानि** ॥ विदू मालखडायाः लमनद वाकसत्रधु

३

डाडादानविय ॥ **धुन नसानि** ॥ रिब वानयनदयाडा वाड द्या
 डायाः वानदूकया, रुल, महायागिकर, धनहानिकर, अ
धुयासानि ॥ वृत्तनस्य २ जाकि जाधूयाडा, वताश अनसः ॐ रिब
 वास्तनययाडा, निवतय ३ २ नाय ॥ सानि वलिविय, लमलद
 दावाकुरयडाडादानविय ॥ **धुन नसानि** ॥ जासि, धतर पासेता
 मा, लाहावा, लमलदइ दचल आकया ॥ इसइ इयायमान ॥
धुयासानि ॥ ॐ सस लः धनहानि, सादानवियमालः वास्तनता

अन्याचक ॥ धुन न सानि ॥ अनक यव न दावन सुठ धुज कन
सुठ सुठ सुठ नो क इयया ह न व लया सुठि ड उ उया ॥ नाजाः
या क दि यि द्या ॥ पुजा सियी उ डा दा नो म हि ड ॥ धुया सानि ॥
हामयाय साहायया पयाचकः दानेच्छि १००० श्राद्ध निवियः त
मिदानवियः उदानविय थमादिय न द व पुजा याय विलवि
या ॥ धुन न सानि ॥ सुसंयक ल उ या उखा सं य सं ले रु ल क सं य
रुलः नाना अ नु सि डा उ श नि डाः धुया रु ल सा मि म लु रु य

अः पि दान डा रु य उ ॥ धुया सानि ॥ निरपा रु स रु थु डा उ ल्या व
ना वा स धे ल न या डाः दान विय ॥ वा दून लो ज न या च क ॥ धुन न
सानि ॥ अका स ग ल न हा यि रु ॥ धुया सानि ॥ न व रु रु दान विय
वी न विय ॥ धुन न सानि ॥ उल ग सि व उ अ रु लः ना य क सं दा रु
न डा म ल ॥ धुया सानि ॥ उदान विय वा दून लो ज न या च क ॥
धुन न सानि ॥ ग्र रि छि न नाना ल ल रु उ अ स ग्रा दि न ना नि डा
धुया रु ल सा मि म लु रु य डाः मि म लु रु य डा डा दान न डा रु य डा

ध्यासनि॥ कलसपूजायाय गलशायजायायः३ दानविय
ब्रह्मनलो जनयाचक॥ धननसाति॥ गनाननसन लमिस धन
धननशददउाय उः र नवाहा नसः शिवद लम नस यव नस
गनाननव उउया कलः सवृ नाडा र्म म् लू रूय उ॥ धनानः
॥ ध्यासनि॥ वसिविय हामयायः सादानविय लमिद न
वियः रदानविय वाथयायः उा ब्रह्मनलो जनयाचक॥ धनन
साति॥ म्ब्रह्मन धउा गिलया क वा म स्व नि उः ध्यासि सा

ना स्य कया न म स्वानि उः ध्या कल विय ह लय म मि उ म्
लू रूय उ र्ब्रह्मन ॥ ध्यासनि॥ वनविय सिज ल क ना १
लानक ना क न थ डा उ र थ डा उ दानविय उा ब्रह्मनलो जनया
चक॥ धननसाति॥ मन्त्रक्या नं नु मी वा रूय उ श ना ल्यं र
ना ल्यं नना रू व रूय उ नना लम रि ड ॥ ध्यासनि॥ हामयाय
रदानविय कलसपूजायाय उा ब्रह्मनलो जनयाचक॥ धननसा
नि॥ मन्त्रक्या म्ब्रह्मन रू माया न दा रू उ रूय उ रूय थय म

संथरुल, शत्रिनसंथरुल ॥ **धुयासानि ॥** **रुल ॥** शत्रिगुरुयुध
नरानिशयुः वत्रिवियपरे गवनदायनान्नाननययज
याय, धलयासत्रधुडाज, दानविययलुदानयाय, गुडन
राजनयावके ॥ **धुननसानि ॥** ॥ यंडुमासंथरुलः सूर्यय
कथरुलः सालगमडाज, वाडरुनका, धुयारुल, महजय
ज, दहियरुयुज, नाजातं माय रुज, दाष्टिनकाकुरुयुज
नवस्यनंरुयुजः **धुयासानि ॥** दानगुंमुयाज, जिमशयुन

ल्यनकं, कामलनथडाज, धलनयाज, न, गुरयायज, दा
नविय, पाथयाय, महावत्रिविय, गुडन, राजनयावके
॥ **धुननसानि ॥** दसविहिदाज, वानिज, धुयारुल, थमना
गिरुयुज, दाष्टिनाकुरुयु ॥ **धुयासानि ॥** विदहाज, अथसयाय
होमैरुयुथयनयाडाज, कामयाय, सितडाज, धुयारुल, ज
जमानमस, दसलानका, कामयाय, वत्रिविय, दानयाय, का
हयात्रस्ये लयासयं, कलि, साद्वल, रंडुविंम्य, दानविय

अथ प्रच्यां गतं वस्तु मंद नने तद्विरोधं पदि मे मध्य नेत्रे स्थाप्य बो दी च्यां सुते
चने अथ के लभते नष्टं मंद के वदिन त्रयं मध्य के ववर्त्त. अथ
न प्राप्ते तिस्रो चने अथ ये चो र हत इ व्यं लभे द्याना तु मंद के. म
ध्य के तु रा मध्यै व न किंच न तु ला वने अथ वा द्यै का रा म् को दिव्य
लोचनं गरा इन्द्रो ही नी यु व स प्र वा म न क र म न उ चो हे चो र

अथ मं मध्य

ASHA ARCHIVES

2.629 1

ब्राह्मन शक्रनयावक ॥ धृगनसामि ॥ दजपूजायालः
इमं सप्तहस्तं रखा नृदिनं हि मठास्य विष्णुकयाइ
लं शक्रमानम लु कयः ॥ नाना नृकायायमालः ॥
॥ हनंदजपूजायाय सादानविय लमिदानविय ॥ तदान
विय गनचक्रपूजायाय ॥ धृगनसामि ॥ ॥ विमिडाश
नाधयाज उहवाकया हल म लु कय ॥ दादा कथयासा
मि ॥ ॥ नियडापल २ गगनकं मिजलवा तादयका ठहा

मलथाडाज कायालनययाज दानवियमालः याथयावक
ब्राह्मन शक्रनयावक ॥ धृगनसामि ॥ ॥ कोखनकयानमहा
कया ल्हाकया हल नृकाल म लुः ॥ धृयासामि ॥ होमयाय
गिय सानयाय गिययालखतयाज कलमपूजायाय स्मन
वत्रिविय नागपूजा उडु वत्रिवियात २ नृदुवलियात २ रु
गुवलियात २ कं सयागुस धलपू नृतयाज ३ थडाडास
इमिंयुतयाज दानवियमाल ब्राह्मन शक्रनयावक ॥ धृग

नमो नमो ॥ यलकास, यलयाक वास निडा, यलमून मद्र खनि
उ, यया रुल, खद द्म म लुशयडा, अधा लक संक्राय दय
उ, लनातमतिडा ॥ यया नमो ॥ हामयाय दोल छि न्ना द्म निः
विय द्वा द्मून लोडनया रक ॥ यन नमो ॥ ॥ महावन
धलः खद द्म मय न्नाया डा नया, हे नव न डा उ, यया रुल, ना
यक द्म म लुशयडा, विना नामतिडाः ह नं खद द्म सानि डा ल्म
म लुशयडा ॥ यया नमो ॥ याथया रक, द्म मय प्रजायाय ख

॥ द्म दानविय, नास, उ, गहनया डा, दानविय ॥ यन नमो
नमो ॥ ॥ द लमल संय द्म ल, का खन स ना अया, रुल, यल व
कया रुयः द्म या द्म वं डा, श्व ना डा सा, विग ह द्म यडा, आलः
का नाम स ना न सा, मि नय यडा, द्म न स, ना न सा, द्म पू न मय
रु यडा, न म ल कान स ना न सा, हि, खा ड्म धा न द्म यडा, य म्
म स, आ स, श्व ना डा सा, धन ना स रु यडाः वयि य कान स ना
न सा, पू र्म लुशयडा उ, रु स, ना न सा, ना न हय, धन ना डा

इयुताः न सानसनातसाः नागनकयुताः द्रुयादधुसम
लसाः न कालमयुताः ॥ ध्यासांनि ॥ महावनिविय
कलसयुतायायः सिद्धनखातासुधतथाडाडाडाहानद्रु
थापडाडाकावातनयुताडादानवियः यं के गवनहायात
नेकाधययायधुवनिहसुगनताकधनराडायाडाडाडा
स्वयास्यद्रुयाडामिष्टायकं सावाडाथासपं के गवनहा
यकलसयातनहायाः नडातवाए ३ नकाखससदाय

दक्षिनाः सिद्धयेनासथडाडाधलदानवियः प्रांद्धनसावायवी
द्रुः लोडनयावकः वलुदानविय ॥ धननसांनि ॥ वसप
सावाडयाधुतापिदानमवनावयुताः धुयारुलः कायद्रु
वयात्रादिसकदियुतामयुतायुताः सावाडाधनसदियुता
ध्यासांनि ॥ यं के नडावापयायः कासयागुसगनधरंद्रवी
मनयाडादानवियप्राद्धनलोडनयावक ॥ धननसांनि ॥
हयंलयाविवाधुसडायुताधुयारुलः कायाद्रुवमयः

लद्धि नङ्गा ॥ धुयावालि ॥ हामयाय, वंदु मिं म्दान विवः इद
 दि न विरः माहा व नि विरः पं ये उय वल पूजाः वाय न लज
 न या र क ॥ धु न न सानि ॥ ॥ न ग ल स थ क ल ग म स थ क ल
 ल म न न म उ रं व उ य उ द स या ना य क म म ल क य उ ल न न म
 य उ ॥ धु या हा नि ॥ हामयाय, क ल स य जा या यः व म य म य म य न न या उ
 द स या अ क या न न य या उ दान विरः वाय न ल अ न या र क ॥ धु न न स
 नि ॥ ॥ व स थ क ल, थ म म स थ क ल, हि अ म यि न, दा वि क म ल क य

[illegible]

